माचिस के साथ छोटी लड़की

हैन्स क्रिश्चियन एंडरसन

माचिस के साथ छोटी लड़की

हैन्स क्रिश्चियन एंडरसन

मकान की छोटी, तंग अटारी में कड़ाके की ठंड थी. वहाँ पांच बच्चे कृत्रिम फूल बना रहे थे. हवा कमरे में सीटी बजाती हुई घुसने की कोशिश कर रही थी क्योंकि उन्होंने बड़ी-बड़ी दरारों को चीथड़ों और पुआल से भरा था. बच्चों में से एक लड़की, जो सबसे सुंदर थी को शहर में फूल और माचिस बेचने भेजा गया. नए साल की पूर्व संध्या की सर्द दोपहर में देर हो चुकी थी फिर भी बेचारी छोटी लड़की बर्फीली सड़कों पर चलने को मज़बूर थी.

जब वो घर से निकली तो उसके पास चप्पलें थीं, लेकिन वे बहुत अच्छी नहीं थीं, और वो बहुत बड़ी थीं. वे चप्पलें पहले उसकी मां ने पहनी थीं. चप्पलें लड़की के पैरों से तब गिर गयीं जब वो एक कार से बचने के लिए गली में भागी.
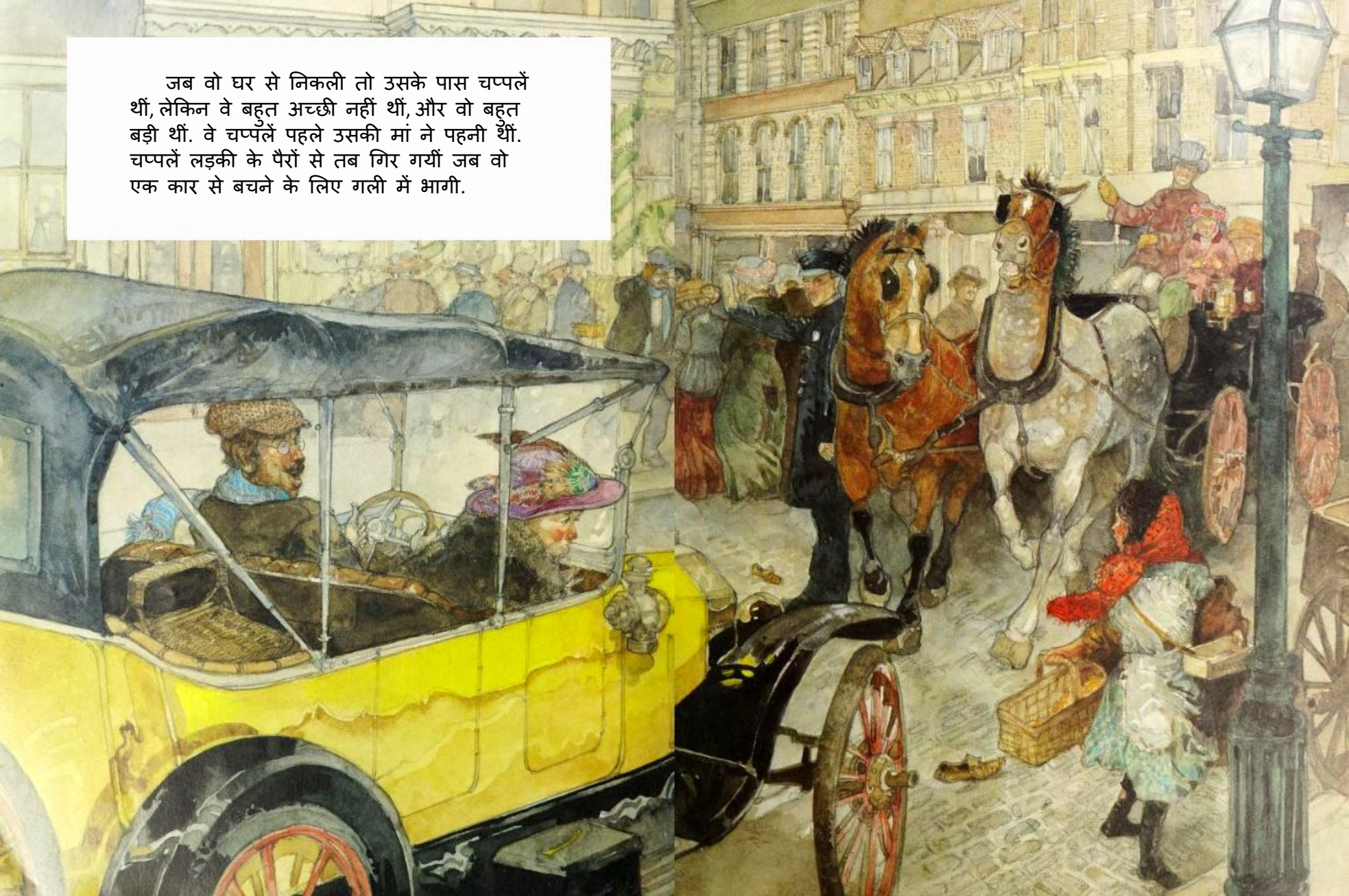
अब बेचारी छोटी लड़की के सुन्न पैरों में फटे हुए मोज़ों के अलावा और कुछ नहीं था. वो एक थाली में माचिस और एक टोकरी में फूल लिए हुए थी. जैसे-जैसे वो आगे बढ़ी वो बाजार में बिकने वाली कई अद्भुत चीजों को देखकर अचंभित हुई. उनमें ऐसी चीजें थीं जिसकी छोटी लड़की ने सिर्फ कल्पना ही की थी. नए साल की पूर्व संध्या होने के कारण सड़कों पर भुने हुए मांस की लज़ीज़ गंध थी. लड़की उसे भूल नहीं पाई.
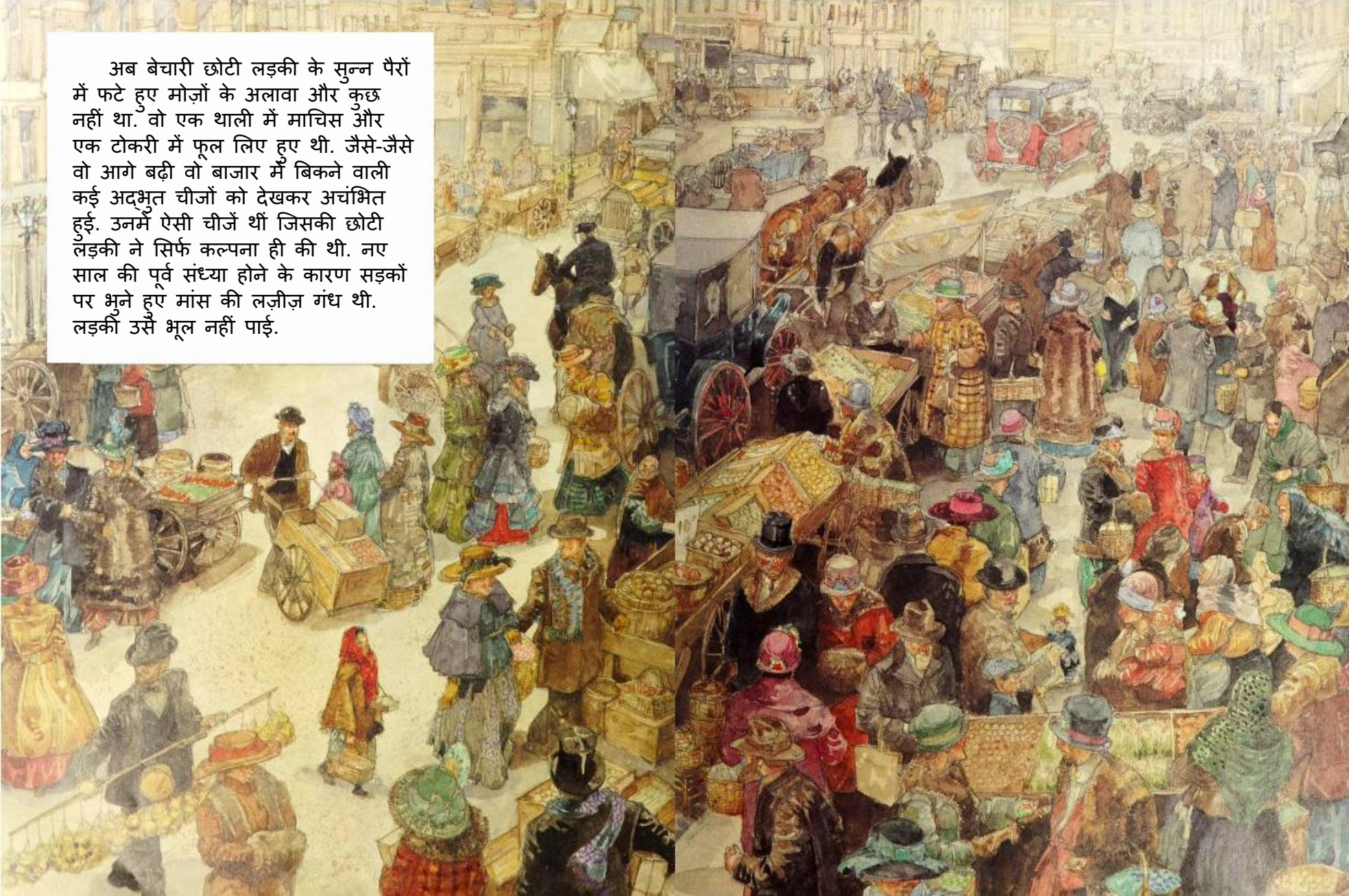
दोपहर से शाम हो गई लेकिन किसी ने लड़की से कुछ नहीं खरीदा. किसी ने उसे एक सिक्का तक नहीं दिया. बच्ची भूखी थी और कड़कड़ाती ठंड से कांप रही थी. वो बेहद बदहाली में थी.
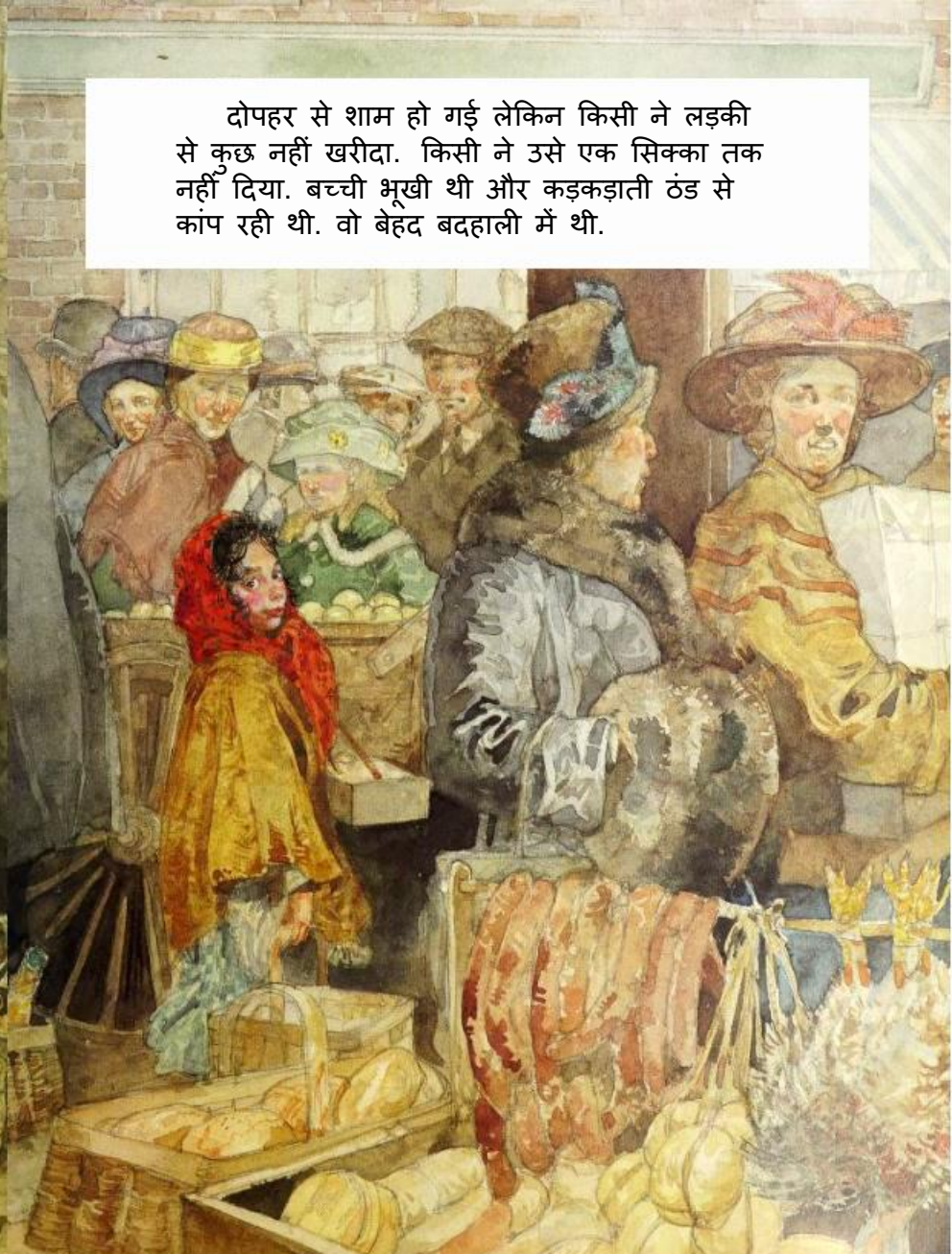
लड़की घर जाने को तरस रही थी,
लेकिन वो घर नहीं जा सकती थी, क्योंकि
वो कोई माचिस या फूल नहीं बेच पाई थी.

इसके अलावा अगर वो घर जाती तो उसके पिता उसे पीटते. घर में लगभग उतनी ही ठंड थी जितनी यहाँ थी. वो तब तक चली जब तक कि उसे एक ऐसा कोना नहीं मिला जो हवा से थोड़ा सुरक्षित था. लेकिन अब लड़की को पहले से कहीं अधिक ठंड लग रही थी.

उसके छोटे-छोटे हाथ और पैर ठंड से अकड़ गए थे. उसे लगा कि शायद एक माचिस की तीली की आग उसे कुछ गर्मी प्रदान करे. लेकिन क्या वो थाली से एक माचिस की तीली लेकर उसे दीवार पर मारने की हिम्मत करेगी? खैर, उसने एक माचिस की तीली उठाई और दीवार पर खरोंचकर उसे जलाया. तीली एक उज्ज्वल, स्पष्ट लौ के साथ जली, ठीक उसी तरह जैसे एक छोटी मोमबत्ती जलती है. लड़की ने उसके चारों ओर सेंकने के लिए अपने हाथ रखे. तीली ने एक हल्की सी रोशनी भी छोड़ी.

छोटी बच्ची को अब ऐसा लग रहा था कि वो पॉलिश किए हुए पीतल के एक बड़े चूल्हे के सामने बैठी हो. चूल्हे में से एक शानदार आग धधक रही थी और उसे बड़ी खूबसूरती से गर्म कर रही थी: लेकिन जैसे ही लड़की ने गर्म करने के लिए अपने पैर फैलाए....

.... वैसे ही आग बुझ गई, चूल्हा गायब हो गया, और उसके हाथ में बस माचिस जली हुई तीली ही बची.

उसने एक नई तीली जलाई. तीली जली और जहां उसका प्रकाश पड़ा, वहां की दीवार पारदर्शी हो गई, और उसने देखा कि उसके सामने एक शाही दावत की मेज़ फैली हुई थी. मेज पर एक सफेद कपड़ा बिछा था और सुंदर क्राकरी थी जो सेब और मेवा से भरी थी और भुने हुए मांस से भाप निकल रही थी. एक अन्य टेबल कुकीज़, केक और सभी प्रकार की मिठाइयों से भरी थी. इन व्यंजनों को देखकर बच्ची के मुंह में पानी आ गया. माचिस की तीली बुझ गई, और फिर नंगी ईंट की दीवार के सिवाए उसे और कुछ दिखाई नहीं दिया.

उसने फिर से एक और तीली जलाई. इस बार वो एक सुंदर क्रिसमस ट्री के पास बैठी थी. वो उन सुंदर कपड़ों और खिलौनों से घिरी थी जिसे उसने केवल दुकानों की खिड़कियों में देखा था. पेड़ की शाखाओं पर हजारों जलती हुई मोमबत्तियाँ जगमगा रही थीं. छोटी लड़की ने अपने दोनों हाथ उनकी ओर बढ़ाए पर तभी माचिस की तीली बुझ गई. क्रिसमस की मोमबत्तियाँ आसमान में ऊँची उठती चली गईं, और अंत में वो टिमटिमाते तारे बन गईं.

उनमें से एक तारा टूट कर गिर गया और उसने पूरे आकाश में प्रकाश की एक लकीर बना दी. छोटी लड़की को लगा कि कोई ज़रूर मरा होगा. उसकी बूढ़ी दादी एकमात्र व्यक्ति थीं जो उसके प्रति दयालु थीं. दादी अक्सर कहा करती थीं, "जब कोई तारा गिरता है, तो कोई आत्मा भगवान के पास जाती है."

फिर उसने दीवार खरोचकर एक और तीली जलाई. इस बार लौ के घेरे में उसे अपनी दादी दिखाई दीं. उसने दादी को काफी स्पष्ट रूप से देखा. दादी बेहद कोमल और प्यारी लग रही थीं.

उसने एक और तीली जलाई, और इस बार वो अपनी दादी के साथ थी जैसे वो पहले कई बार उनके साथ रही थी. वो सब कितना वास्तविक लग रहा था.

"दादी माँ!" अकेली बच्ची रोई, "ओह, मुझे अपने साथ ले चलो! मुझे पता है कि जब माचिस की तीली बुझ जाएगी तब तुम भी गायब हो जाओगी. तुम भी गर्म चूल्हे, स्वादिष्ट मांस और सुंदर क्रिसमस ट्री की तरह गायब हो जाओगी!"

फिर लड़की ने झट से माचिस की तीलियों का पूरा गट्ठा उठाया और उन्हें एक साथ जला दिया, क्योंकि वो अपनी दादी को अपने पास रखने को बेहद तत्पर थी. माचिस की रोशनी ने रात को दिन के समान उज्ज्वल बना दिया. इससे पहले दादी कभी भी इतनी दयालु या इतनी खूबसूरत नहीं दिखी थीं. दादी ने छोटी लड़की को अपनी बाहों में उठा लिया, और फिर वे प्रकाश और खुशी के एक प्रभामंडल में उड़ गए, पृथ्वी से बहुत ऊपर, जहां न ठंड थी, न भूख थी, न दर्द था, क्योंकि वे अब परमेश्वर के साथ थे.
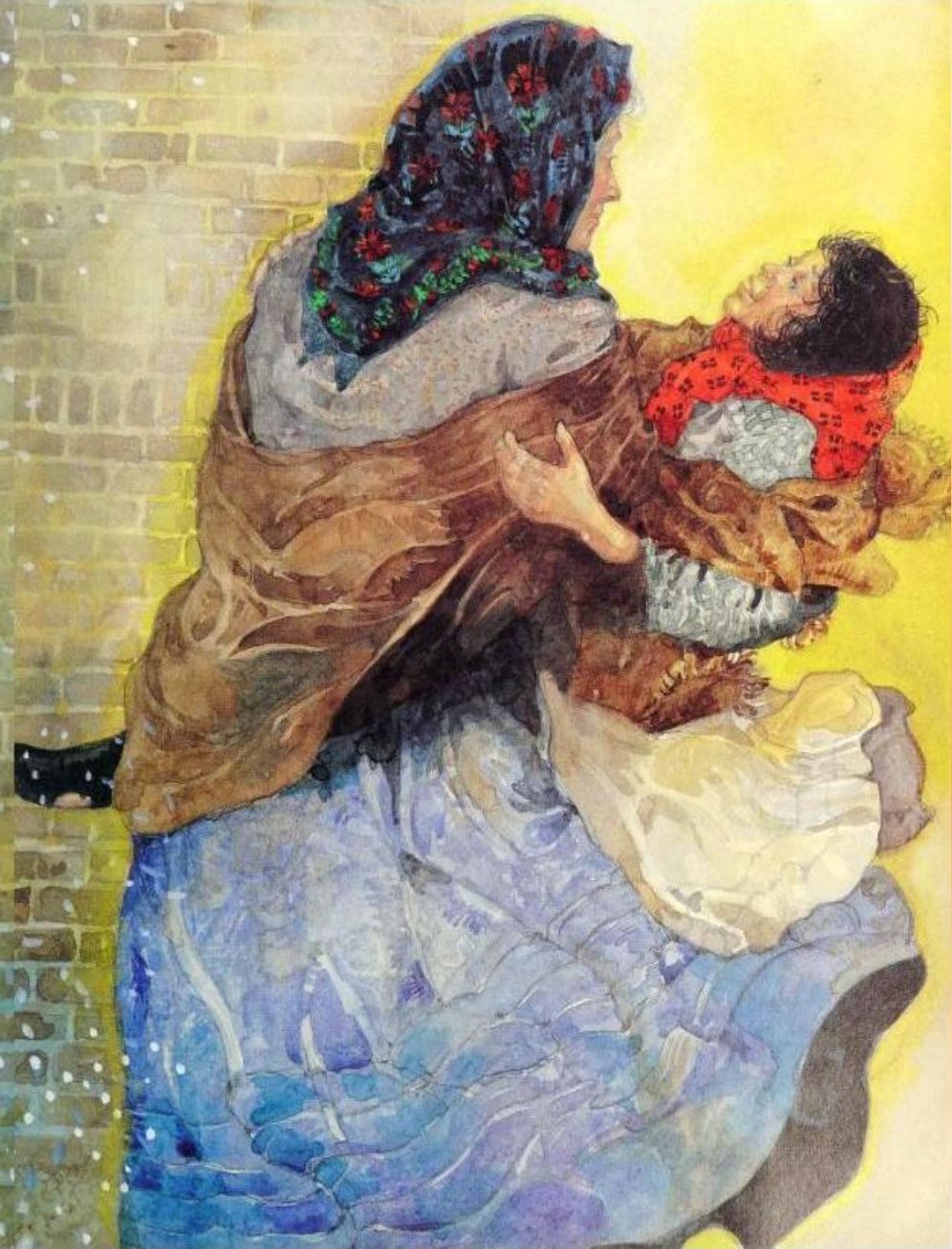
सुबह की ठंडी रोशनी में, बेचारी छोटी लड़की वहीं कोने में अपने मृत चेहरे पर एक मुस्कान लिए बैठी थी. पुराने साल की आखिरी रात में ठंड से जमकर उसकी मौत हो गई थी. जब शहर के लोग नए साल के दिन उठे, तो उन्होंने एक छोटी लड़की के शरीर को अभी भी जली हुई माचिस की तीलियों के साथ बैठे देखा. उसकी टोकरी के फूल रात की सर्द हवाओं ने, फुटपाथ और सड़क पर बिखेर दिए थे. कुछ लोगों को लगा कि लड़की ने खुद को माचिस से गर्म करने की कोशिश की होगी.
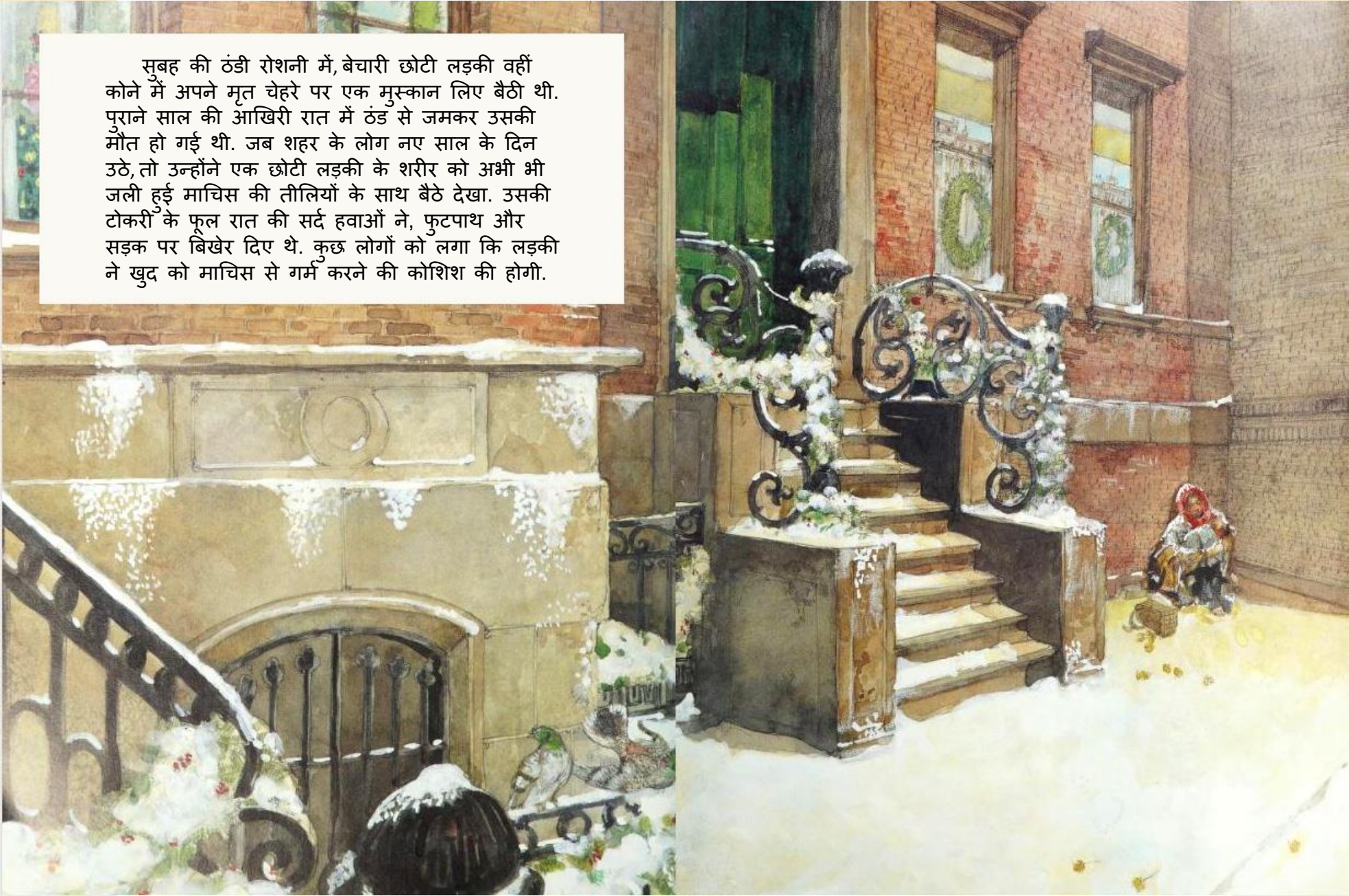
लेकिन किसी को इस बात की कल्पना नहीं थी कि उस लड़की ने कितने सुंदर नज़ारे देखे थे, और फिर नए साल में वो अपनी दादी के साथ परमेश्वर के पास चली गई थी.